कीमत अस्टाम्प और नक़ल इबारत जहरी जो दफ़्तर रजिस्ट्री में हुई ।	नम्बर शुमार इन्दराज व किस्म दस्तावेज़	नकल दस्तावेज़
24.9.84 वसीका तन्सीख वसीयत नामा Judicial paper कीमती 2 पर तहरीर है।	न० 77 वसीयत नामा फीस = 50.00 " = 2.00 52.00 जिल्द नं० 390	

तन्सीख वसीयतनामा

भजना पुत्र दसौंधा पुत्र धर्मा ग्राम देवीकोठी परगना बैरा त० चोराह जि० चम्बा उमर 60 साल, जो मुजहर बे औलाद है। मुझ की पत्नी बांझ जनती है उससे कोई सन्तान पैदा न हुई। नाही अब सन्तान पैदा होने की आशा है। मैं अपनी जायदाद मनकूला व गैर मनकूला वाक्य महाल देवीकोठी त० चोराह है। मैं अपनी व अपनी पत्नी की टहल सेवा कराने के लिए श्री निर्मल पुत्र बीरबल ग्राम देवीकोठी परगना बैरा वाले को अपने पास रखकर अपनी तमाम जायदाद मनकूला व गैर मनकूला बहक निर्मल उक्त वसीयत करके मिति 22.5.84 को वसीयत नामा बाजाब्ता तौर पर तहरीर व तसदीक करा रखा हुआ है। वसीयत लेने के बाद श्री निर्मल उक्त मेरे घर से चला गया हुआ है, व मेरी पत्नी की टहल सेवा पालना नहीं करता है बल्कि उसने हमारी टहल सेवा पालना करने से बिलकुल इन्कार कर दिया है। इसलिए मैं अपनी वसीयत बहक निर्मल उक्त मुसदका 22.5.84 वसीका नं० 106 त० चोराह जिला चम्बा आज दिन मन्सूख करता हूं कि मैं जीवन के पश्चात

24.9.84 वसीका वसीयतनामा तन्सीख आज मिति 24.9.84 बरोज सोमवार बरवक्त 2.30 व 3 बजे दिन श्री भजना पुत्र दसौंधा निवासी ग्राम देवीकोठी प० बैरा ने स्वयं हाजर दफ्तर सब रजिस्ट्रार चुराह मकाम मज्कूर बराए रजिस्ट्री पेश की। वसीका मुकम्मल तहरीर है रजिस्ट्री हेतु स्वीकृत किया गया।

ह० श्री पेशकर्ता

उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक)
तहसील चुराह

24.9.84 मज़मून वसीका वसीयत नामा तन्सीख हरफ़ बहरफ़ पढ़कर श्री भजना की सुनाया व समझाया गया जिस उसने मुकम्मल तसदीक व तसलीम किया और

उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक)
तहसील चुराह

कीमत अस्टाम्प और नकल इबारत जाहरी जो दफ्तर रजिस्टरी में हुई	नम्बर शुमार इन्दराज व किस्म दस्तावेज	नकल दस्तावेज

बहीर दस्तावेज मे इकबाल किया! शर्मा को गवाहान ताजीजा मेरी उपरोक्त वसीयत बहक निर्मल उपरोक्त श्री कर्मचन्द व श्री देवी दास बे असर होगी! और कराई गई तसदिक प्रधान ग्राम पंचायत तीसा होगी! मेरी जायदाद मन्कुला व गै मन्कुला प्रधान ने की! गवाह दर्शीयान वसीयत शुदा पर निर्मल उक्त का कोई हक को मैं जाति तौर पर जानता तअल्लुक ना होगा! अतः यह तन्कीह वसीयत हूँ! अतः वसीयत रजिस्ट्री मैं अपनी खुशी रजामन्दी से अपनी होश हवास किया गया! की हालत में रूबरू गवाहान दुरूस्त अदालत में तहरीर करा देता हूँ कि सनद रहे! कातब

ता. शर्मा · ता. गवाह २ · दीनानाथ दस्तावेज नवीस चम्बा!

कर्मचन्द

ति. 3.9.1984.

गवाह	अलअबद	गवाह
नानकू पुत्र सिंहू ग्राम सुल्तानपुर चम्बा S/d– नानकू	अम्मा उक्त शर्मा	कर्मचन्द पुत्र राजू ग्राम हवीकोही प. बौ. त. चौराह S/d– कर्मचन्द

ता. गवाह शनाख्ती
Devi Dass

[signature]
उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक)
तहसील चुराह

24.9.84 प्रमाणित किया जाता है कि वसीका को तसदीकी उजरत पर शर्मा तथा गवाहान ने अपने-अपने हस्ताक्षर व निशान अंगूठे मेरे सामने किए।
[signature]
उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक)
तहसील चुराह

DINA NATH
Document writer
Sadar Chamba
No. 39
Dt. 3-9-84
D.W.

पत्र संख्या 178 ... 3 ... 9 ... में पृष्ठ 8-9
(व पुस्तिका) .... पर आज दिनांक 24.9.84 को रजिस्टर्ड हुआ
[signature]
उप रजिस्ट्रार